मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांक: 11 जुलाई 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	11-07-14	12-07-14	13-07-14	14-07-14	15-07-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	40	39	38	37	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	32	31	31	30	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	3	4	3	6
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	53	50	60	62	66
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	29	30	30	34	37
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	22	20	20	22	22
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

तिल की आर टी 46, आर टी 125, आर टी 127, आर टी 346, आर टी 351 प्रमुख किस्मों की बुवाई करं। बुवाई से पहले प्रति किलो बीज को 2 ग्राम थाइरम से उपचारित करें।

मूंग, मोठ व ग्वार की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए बीजों को स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (0.025 प्रतिशत) से उपचारित करके बुवाई करें।

दीमक व सफेद लट की रोकथाम हेतु खेत में बुवाई से पूर्व क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से मिलाएं।

मूंगफली की झुमका किस्म के पौधों पर बुवाई के 25–30 दिन बाद मिट्टी चढ़ावें।

कपास की फसल में वर्षा न होने पर सिंचाई करें व खरपतवार निकालें।

बेर की फसल में यूरिया की आधी मात्रा दें।

वर्षा कालीन समय में होने वाली अगेती सब्जियों की क्यारीयों की तैयारी कर के बिजाई करं।

बरसात से पहले अपने पशुओं में गलघोंटू व लंगड़ा बुखार रोग के टीके आवश्यक रूप से लगवायें।